डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 21.06.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

<u>अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों एवं शिक्षकों ने किया प्रतिभाग</u>

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की पहल पर इस वर्ष 21 जून 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास का कार्यक्रम वृहद पैमाने पर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इस क्रम में आज 21 जून को प्रातः 5:30 बजे से 7:30 बजे तक विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह के सम्मुख खुले स्थान पर कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की अध्यक्षता एवं उपस्थिति में लगभग 600 से अधिक शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं ने उत्साह के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के प्रोफेसर तथा योग एवं ज्योतिष केन्द्र के प्रभारी योगाचार्य डा0 सुधीर मिश्रा के निर्देशन पर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत कुलपति ने उपस्थित योगाभ्यासियों को संबोधित भी किया। योगाभ्यास के बाद समस्त प्रतिभागियों के लिए स्वास्थ वर्धक जलपान की भी व्यवस्था की गई। योगाभ्यास में प्रतिभाग करने वाले समस्त छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय की सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया की शाखा की तरफ से टीशर्ट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की भव्यता का अंदाज इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उक्त कार्यक्रम में पांच विभिन्न जिलों के एन0एस0एस0 स्वयंसेवक तथा कार्यक्रम प्रभारियों के साथ–साथ बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवारों के सदस्यों ने भी उत्साह के साथ योगाभ्यास में प्रतिभाग किया।

वृहद स्तर पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य डा0 सुधीर मिश्रा ने मंच पर यौगिक क्रियाओं तथा योग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न योगासनों का जीवन्त प्रदर्शन किया तथा साथ साथ उपस्थित समुदाय को योगाभ्यास भी कराया। डा0 मिश्रा ने योगीयास के दौरान यह भी बताया कि किस प्रकार के आसन से कैसे लाभ होते हैं और किस प्रकार का आसन किसको नही करना चाहिए। उन्होने इस बात पर बल दिया कि प्राणायाम एवं कपाल भारती पूरे मनोयोग से करना चाहिए तभी यह योग क्रियायें साधना के रुप में परिवर्तित हो सकेंगी। उन्होने यह भी कहा कि योग क्रियाओं के दौरान सांस की गति के स्थान पर सांस की गहराई पर नियंत्रण स्थापित करने का अभ्यास ही वह पहली कडी है जो किसी को योगाभ्यासी बना सकती है।

कार्यक्रम से पूर्व कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने डा0 सुधीर को पुष्पगुच्छ भेट कर उनका स्वागत किया और लगातार तीन दिनो से छात्र/छात्राओं, शिक्षकों कर्मचारियेां को योगाभ्यास कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की समाप्ति पर उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि डा0 मिश्रा के सहयोग से गत तीन दिनों में विश्वविद्यालय परिसर में उर्जा प्रवाह का जो वातावरण बना है वह आगे भी जारी रहना चाहिए। इसके लिए जिस माध्यम की आवश्यकता है वह योगपीठ की स्थापना के साथ विश्वविद्यालय इस सत्र से उपलब्ध कराने जा रहा है। कुलपति ने स्पष्ट किया कि उनका हर पल प्रयास रहता है कि सकारात्मक विचारों के साथ सिस्टम को गति प्रदान की जाये, विकास अपने आप हो जाएगा। कुलपति ने कहा कि योग सिर्फ ध्यान का एक माध्यम नही है बल्कि प्राकृतिक चिकित्सा का एक अदभुत आयाम है जो हमारी संस्कृति–समृद्वता का प्रतीक भी है।

कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 आशुतोष सिन्हा, तथा कार्यक्रम समिति के सदस्यगण डा0 एस0एस0 मिश्रा तथा डा0 विनय मिश्रा ने क्रमागत रुप से उपस्थित समुदाय का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नोट : कार्यक्रम का फोटोग्राफ संलग्न है।

मीडिया प्रभारी

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 21.06.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) (2)

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रौढ सतत एवं प्रसार शिक्षा द्वारा संचालित पी0जी0 डिप्लोमा इन फैशन डिजायनिंग की छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन स्थित विभाग में फैशन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित द्वारा अपरान्ह 12:30 बजे किया गया। उदघ ाटन के उपरांत फैशन डिजायनिंग की छात्राओं द्वारा बनाए गए प्रदर्श की गुणवत्ता को देख कर कुलपति ने इस प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा प्रदर्शित फैशन डिजायनिंग के उत्कृष्ट नमूनों को सार्वजनिक रुप से विक्रय हेतु उपलब्ध कराये जाने के लिए निर्देशित किया। कुलपति के निर्देश के उपरांत इस प्रदर्शनी की अवधि दिनांक 21–22 जून से बढाकर दिनांक 24 जून तक कर दी गई है। उक्त अवधि में फैशन डिजायनिंग की छात्राओं द्वारा बनाए गए प्रदर्श सार्वजनिक रुप से विक्रय के लिए विभाग में प्रदर्शित किए जाएंगे तथा कोई भी इस अवधि में प्रदर्शनी में पहुंचकर इन प्रदर्शो को क्रय कर सकता है।

प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा डिजाइनर ड्रेसों, लहंगे व साड़ियां, ब्राइडियल साड़ियां, स्कर्टस, ब्लाक, टाई एण्ड डाई, पैच, एप्लीक, पुल्टिंग, स्मोकिंग आदि विभिन्न प्रकार की डिजायनों से सुसज्जित वस्त्रों व अन्य सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया। फैशन डिजायनिंग की विशेषज्ञा श्रीमती शालिनी पाण्डेय ने कुलपति जी को विभिन्न वस्त्रों को तैयार करने की तकनीकी ज्ञान से अवगत कराया। विभाग के निदेशक प्रो0 पी0पी0 सिंह एवं डा0 सुन्दर लाल त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी ने पुष्प गुच्छ भेंटकर कुलपति का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो0 सिंह ने बताया कि वर्ष 1995 मे यह पाठयक्रम सर्टीफिकेट के रुप में प्रारम्भ किया गया, वर्ष 2000 से पी0जी0 डिप्लोमा इन फैशन डिजायनिंग का पाठयक्रम प्रारम्भ किया गया। उन्होने यह भी बताया कि इस विभाग के माध्यम से अन्य पाठयक्रम एम0ए0–जनसंचार एवं पत्रकारिता वर्ष 2002 एवं एम0पी0एड0 एवं एम0एड0 वर्ष 2005 से प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर प्रो0 एस0एन0 शुक्ल, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, डा0 विजेन्दु चतुर्वेदी, डा0 राजेश सिंह कुशवाहा, डा0 महेन्द्र सिंह, डा0 नीलम सिंह एवं डा0 शशि सिंह व अन्य लोग उपस्थित रहे।